DATE: 07/07/2020
CLASS: B.A.(H)PART-2
SUBJECT: POL.SCIENCE
PAPER: 3RD(INDIAN GOVERNMENT AND POLITICS
CH: 2(THE PREAMBLE)
LEC.NO: 06

BY,
OM KUMAR SINGH
ASSISTANT PROFESSOR
DEPTT. OF POL.SCIENCE
D.B.COLLEGE,JAYNAGAR
L.N.M.U, DARBHANGA

प्रस्तावना में उल्लेखित शब्दों के अर्थ--
---

(1) हम, भारत के लोग --------
we, the people of India
"हम, भारत के लोग..... ...अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।"अर्थात् भारत के लोगों के द्वारा ही इस संविधान को बनाया, स्वीकार किया तथा स्वयं को अर्पित किया अर्थात् अपने ऊपर लागू किया गया है।यानी, इसमें तीन बातें उभर कर आती हैं--(क) संविधान के द्वारा अंतिम प्रभुसत्ता भारतीय जनता में निहित है।

(ख) संविधान निर्माता भारतीय जनता के प्रतिनिधि थे।

(ग) भारतीय संविधान भारतीय जनता की इच्छा का परिणाम है और भारतीय जनता ने ही इसे राष्ट्र को समर्पित किया है।

इसका एक अन्य अभिप्राय यह है कि भारतीय संघ का कोई एक राज्य या अवयवी एककों का समूह न तो संविधान को समाप्त कर सकता है और न ही संविधान द्वारा निर्मित संघ से सम्बंध-विच्छेद कर सकता है।

Scanned with CamScanner

(2) सम्पूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न
(Sovereignty)----

इसका अर्थ है भारत अपने आंतरिक एवं वैदेशिक मामलों में बिना किसी बाहरी दबाव और प्रतिबद्धता के स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने में सक्षम होगा।

(3) समाजवादी(Socialist)--

समाजवाद एक विचारधारा है, जिसमें समानता के लगभग प्रत्येक आयाम शामिल होते हैं,चाहे वह संसाधनों की समानता हो,या फिर, समाज में प्राप्त प्रतिष्ठा और अवसर की समानता हो। भारतीय समाजवाद 'लोकतांत्रिक समाजवाद' के निकट है। लोकतांत्रिक समाजवाद नेहरू के विचारधारा से सम्बंधित है। इसमें मिश्रित अर्थव्यवस्था अर्थात् सार्वजनिक व निजी क्षेत्र का सह-अस्तित्व के लक्षण मौजूद है।

भारतीय समाजवाद के तत्व हैं--

(क)सार्वजनिक क्षेत्र व निजी क्षेत्र का सह-अस्तित्व जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र को वरीयता प्राप्त है।

(ख)आय और जीवन स्तर की असमानता को कम करना।

(ग) सम्पत्ति के केंद्रीकरण की प्रवृत्ति को रोकना।

(घ) मजदूरों और वंचित तथा शोषित वर्गों का कल्याण करना।

नीति आयोग की व्यवस्था लोकतांत्रिक समाजवाद के उद्देश्यों की प्राप्ति को ही दर्शाते हैं।

(4) पंथनिरपेक्ष(Secular)--

भारत का अपना कोई राजकीय धर्म नहीं है। यहाँ के नागरिकों को अपने-अपने धर्म को मानने की स्वतंत्रता है।

(5) लोकतंत्रात्मक ---
(Democratic)

इसका अर्थ है- शासन संचालन की शक्ति या संप्रभुता भारत की जनता में निहित है। लोकतंत्र एक प्रक्रियागत प्रणाली है, जिसमें नवीन आयाम जुड़ते चले जाते हैं और व्यवस्था को अधिक जीवंत बनाते हैं।

(6) गणराज्य(Republic)–

राज्य का प्रमुख परोक्ष रूप से जनता के द्वारा निर्वाचित किए जाते है। राज्य प्रमुख का पद वंशानुगत नहीं होता है । अर्थात् जनता राजनीतिक रूप से संप्रभु होते हैं।

शेष अगले व्याख्यान में--

Scanned with CamScanner